BLM Academy
Padampur Devaliya, Gora Parao, Haldwani (NTL)
Ph. No. 05946 - 210831, Mob.: 7520068217

विद्यालय का चयन – मापदंड

अभिभावकों के लिए एक अच्छे स्कूल का चयन, बढ़ती हुई स्कूलों की संख्या और उनके बड़े–बड़े दावों के कारण अपने आप में एक समस्या है। कुछ कम फीस से आकर्षित होते है तो कुछ विद्यालय के बैनर से,व कुछ विद्यालय के बोर्ड परीक्षाफल से। कभी – 2 मजबूरी वश भी एक अच्छे विद्यालय की उपलब्धता न होने के कारण स्कूल का चयन एक कठिन समस्या हो जाता है।

एक विद्यालय के चयन करते समय अभिभावकों का योग्य होना भी आवश्यक है कि वे एक अभिभावक के रूप में जाने कि एक विद्यालय की प्राथमिकतायें क्या होनी चाहिए ताकि विद्यार्थी को विद्यालयी शिक्षा का पूर्ण लाभ मिल सके । उनमें विद्यालय द्वारा घोषित विशेषताओं के परखने की भी क्षमता होनी चाहिए कि विद्यालय के दावे खोखले है या सत्य।

विद्यालय ने विद्यार्थी को क्या दिया, यह तब पता चलता है जब वह विद्यालयी शिक्षा पूर्ण कर रोजगार की तलाश करता है, और अधिकतर मामलों में तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

एक अच्छा जीवन जीने के लिए एक व्यक्ति को चाहिए, एक अच्छा रोजगार, नैतिक चरित्र व जीवन जीने का कौशल और यह अभिभावकों व विद्यालय की मिली जुली जिम्मेदारी है कि वह यह सब विद्यार्थी को देने के लिए क्या करें। माता पिता के समुचित पढ़े लिखे न होने के कारण या अपने दायित्व से अनभिज्ञ होने की स्थिति में यह जिम्मेदारी विद्यालय की है, लेकिन इसे सुनिश्चित करना अभिभावक की।

विद्यालय में प्रवेश के समय विद्यार्थी की तो परीक्षा ली ही जाती है, अभिभावक को भी साक्षात्कार का सामना करना पड़ता है किन्तु अभिभावकों को यह अधिकार नहीं दिया जाता कि वे भी विद्यालय में अपने पाल्य के प्रवेश से पूर्व विद्यालय की पूर्ण रूप से जाँच करें और विद्यालय को गुणवत्ता की कसौटी पर परखें। शिक्षा के व्यवसायीकरण के युग में जब अभिभावक की स्थिति एक उपभोक्ता के समान है, और यदि वह विद्यालय द्वारा निर्धारित शिक्षा के मूल्य का शुल्क के रूप में भुगतान कर रहा है तो यह उसका अधिकार है वह जानने का प्रयास करे कि

1 यदि अभिभावक सक्षम है तो क्या उसे उसके बच्चे को पढ़ाने वाले शिक्षक का साक्षात्कार लेने का अधिकार मिलेगा, जैसे उसका साक्षात्कार लिया गया था ?
2 क्या विद्यालय में विद्यालय के दावों के अनुरूप 'इनफ्रा स्ट्रक्चर' है ?
3 छोटे बच्चों को पढ़ाने हेतु 'प्ले वे मैथड' की क्या सुविधा है ?
4 विद्यालय के कितने विद्यार्थियों ने अर्न्तविद्यालयी शैक्षिक प्रतियोगिताओं, जैसे साइन्स ओलिम्पियाड, गणित ओलिम्पियाड, या भाषा ज्ञान या सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और परिणाम क्या रहा है ?
5 विद्यालय के विद्यार्थियों ने कितनी अर्न्तविद्यालयी या अर्न्तराज्यीय पाठ्य सहगामी व पाठ्येत्तर प्रतियोगिताओं में भाग लिया है ?
6 विद्यालय में कम्प्यूटर की शिक्षा कैसी है व कम्प्यूटर प्रयोगशाला का स्तर क्या है?

7 क्या विद्यालय का पुस्तकालय एक आदर्श पुस्तकालय के मानक को पूरा करता है ?
8 क्या विद्यालय की प्रयोगशालायें बोर्ड के मापदंडों को पूरा करती है ?
9 विद्यालय में पढ़ाई की सुविधा के अतिरिक्त व्यक्तित्व विकास के लिए क्या – 2 कार्यक्रम हैं ?
10 क्या विद्यालय में मेन्टल 'ऐबिलिटी' की भी परीक्षा ली जाती है ?
11 विद्यालय में बच्चे में आत्म विश्वास को जागृत करने हेतु क्या प्रोग्राम हैं ?
12 विद्यालय में खेल की क्या सुविधायें है। यदि मैदान की उपलब्धता नहीं है तो, इनडोर खेलों की क्या सुविधा है ?
13 बच्चों में 'कम्यूनिकेशन स्किल' सिखाने हेतु क्या किया जाता है ?
14 बच्चे में भाषा में सृजनात्मकता व अन्य क्षेत्रों जैसे कला, क्राफ्ट में सृजनात्मकता के विकास हेतु क्या किया जाता है ?
15 बच्चों को जिम्मेदारी का अहसास दिलाने के लिये क्या – 2 किया जाता है ?
16 क्या विद्यार्थी का वर्ष में दो बार मेडिकल चेकअप होता है ?
17 विद्यालय में विद्यार्थियों को मानसिक रूप से अनुशासित किया जाता है या केवल शारीरिक रूप से ?
18 किशोरावस्था से जुड़ी समस्याओं से निबटने के लिये विद्यालय के पास क्या नीतियाँ व समाधान हैं ?
19 विद्यालय मे नैतिक चरित्र को सुदृढ़ बनाने हेतु क्या किया जाता है ?
20 जीवन जीने का कौशल सिखाने हेतु विद्यालय के पास क्या योजनायें हैं ?
21 क्या विद्यालय केवल अच्छे बोर्ड परिणाम के लिए प्रयास करता है या प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन का भी ध्यान रखा जाता है ?
22 विद्यालय के पास प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन, सुनिश्चित करने हेतु क्या योजनायें हैं ?
23 क्या विद्यालय में कैरियर काउन्सिलिंग की सुविधा है ?
24 क्या विद्यालय में अभिभावकों की काउन्सिलिंग की सुविधा है ?
25 विद्यालय में शिक्षकों का वेतन क्या है, व उनकी योग्यता क्या है ?
26 शिक्षकों के बौद्धिक विकास व प्रोफेशनल डेवलेपमेन्ट के लिये विद्यालय के पास क्या नीतियाँ हैं ?
27 विद्यालय के कितने विद्यार्थी देश के अग्रणी व्यावसायिक महाविद्यालयों में पढ़ चुके हैं या पढ़ रहे हैं ?

विद्यार्थी जब विद्यालयी शिक्षा पूर्ण कर किसी प्रोफेशनल कालेज में प्रवेश लेते हैं, तब उन्हें विद्यालय में होने वाली पाठ्येत्तर व पाठ्य सहगामी क्रिया कलापों के महत्व का पता चलता है। ' प्लेसमेन्ट ' के समय विद्यालय द्वारा विद्यार्थी को "व्यक्तित्व विकास " व पढ़ाई के अतिरिक्त विद्यार्थी के अन्य ' कौशलों ' खेल, संगीत आदि की अहम् भूमिका हाती है, जो पाठ्येत्तर क्रिया कलापों द्वारा ही विकसित किए जा सकते हैं। एक बार मुझे **IIT Delhi** के वार्षिक समारोह ' रौन्डेवू ' देखने का अवसर मिला, तब यह भ्रान्ति टूटी कि खेलकूद, ड्रामा नृत्य या संगीत में भाग लेने से पढ़ाई में व्यवधान होता है। नृत्य, संगीत, ड्रामा, खेलकूद व अन्य प्रतियोगिताओं में उन बच्चों का अद्भुद कौशल देखकर आश्चर्य हुआ कि इन विद्यार्थियों ने कैसे यह सब सीखते हुये, **IIT** में प्रवेश पाया और तब अहसास हुआ कि विद्यालयों में क्या कमी है।

यह विद्यालयों का दायित्व है कि वे विद्यार्थी को पूर्ण रूप से ऐसा माहौल दें, जिससे वे जीवन के किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहें और जीवन पयन्त अपने सफल जीवन का श्रेय विद्यालय को दें।

BLM Academy
Padampur Devaliya, Gora Parao, Haldwani (NTL)
Ph. No. 05946 - 210831, Mob.: 7520068217

शिक्षा क्योंकि व्यवसाय बन गया है तो यदि विद्यालय अभिभावकों की अपेक्षाओं को पूरा करता है उन्हें भी विद्यालय की, उनसे धन की अपेक्षा को पूरा करना चाहिए, क्योंकि धनाभाव के कारण ही अधिकतर विद्यालय अपनी योजनाओं को साकार रूप देने मे अक्षम हैं। यह एक कटु सत्य है किन्तु सत्य है, सस्ती शिक्षा आज के समय में असम्भव है। यदि सस्ती होगी तो वह गुणात्मक व पूर्ण नहीं हो सकती।

यही कारण है कि जो माता पिता विद्यालयी शिक्षा के महत्व को जानते हैं वे इस पर धन खर्च करने में संकोच नहीं करते हैं वे जानते हैं कि विद्यालयी शिक्षा पर धन का खर्च व्यय नहीं बल्कि निवेश है जो यदि सोच समझ कर किया जाय तो भविष्य में भारी डिविडेन्ड देगा। अर्जित धन का शिक्षा पर निवेश सर्वोत्तम निवेश है।

विद्यालयों को विद्यार्थियों व अभिभावकों के परखने से पहले स्वयं को परखने की आवश्यकता है और विद्यालयी शिक्षा में गुणवत्ता बनाये रखने हेतु आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है। कभी नहीं से देर भली।

श्रीमती रजनी कान्ता बिष्ट
प्रधानाचार्या
बी॰ एल॰ एम॰ एकेडमी